1998 के बाद पहली बार पंजाब में नहीं हुआ अकाली-भाजपा गठबंधन

अकाली दल ने पंजाब की सभी 13 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अकाली दल के इस निर्णय को भाजपा के, ''अबकी बार 400 पार'' लक्ष्य के लिए झटका माना जा रहा है।
- अकाली दल का, भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करने का प्रमुख कारण किसान आंदोलन को लेकर भाजपा के रूख को माना जा रहा है।
- इसक अलावा अकाली नेताओं को डर था कि, गठबंधन किया तो केजरीवाल की गिरफ्तारी के कारण आप पार्टी को जनता की सहानुभूति मिलेगी और भाजपा के साथ अकाली दल को भी जनाक्रोश झेलना पड़ेगा।

नई दिल्ली, 26 मार्च। अब अधिकारिक तौर पर भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) के बीच सीट बंटवारे की वार्ता टूट गयी है। वर्ष 1998 से अब तक दोनों पार्टियों में हमेशा गठबंधन रहा है। अब यह पहली बार होगा कि भाजपा और एस.ए.डी., पंजाब की तेरह लोकसभा सीटों के लिए अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी। इस बार चार कोणीय मुकाबला होगा, जिसमें भाजपा, कांग्रेस, आप और एस.ए.डी. मुख्य प्रतिद्वंदी होंगे। एस.ए.डी. के साथ गठबंधन करने की भाजपा की असफलता को, अपने बलबूते पर 370 लोकसभा सीटें जीतने की भगवा पार्टी की महत्वाकांक्षा के लिए एक झटके की तरह देखा जा सकता है क्योंकि पार्टी का प्रभाव कुछ चुनाव क्षेत्रों तक ही सीमित है।

शिरोमणि अकाली दल, एक पुराने गठबंधन सहयोगी को वापस नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस में लाकर तथा उसके समर्थन से भाजपा बेहतर प्रदर्शन की आशा कर सकती थी। वार्ता के असफल होने का मुख्य कारण था कि, एस.ए.डी., भाजपा के साथ पुन: जुड़ने में झिझक रही थी क्योंकि पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा को अभी भी किसान विरोधी समझा जाता है। इसके अलावा भाजपा छ: सीटों की मांग कर रही थी, जो कि एस.ए.डी. नेताओं के अनुसार भाजपा की ताकत और प्रतिष्ठा (पंजाब में) के अनुरूप नहीं थी।

एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को गिरफ्तार करने के बाद,एस.ए.डी. के नेताओं को चिंता थी कि, भाजपा के साथ पार्टी के गठबंधन से ''आप पार्टी'' के लिए सहानुभूति की लहर चल सकती थी और एस.ए.डी. पर एक अवसरवादी पार्टी होने का आरोप लग जाता।

पंजाब भाजपा प्रमुख सुनील जाखड़ ने वार्ता के टूटने की घोषणा करते हुए कहा कि, पार्टी का अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय, युवाओं, किसानों, व्यापारियों तथा पिछड़े वर्गों के हितों से प्रेरित था। पंजाब के विकास में ''प्रधानमंत्री का'' योगदान सबके सामने है। जाखड़ ने कहा कि, किसानों को उनके उत्पादन के लिए लाभकारी मूल्य दिए गए, सिख तीर्थयात्रियों के लिए करतारपुर साहिब गलियारा खोला गया है। भाजपा नेताओं को विश्वास है कि, अयोध्या में मंदिर निर्माण व प्रधानमंत्री का विकसित भारत का आव्हान, आगामी चुनावों में बहुत फायदा पहुंचायेगा।

जापान में कॉलैस्ट्रॉल की दवा खाने से 76 लोगों की हालत गम्भीर

टोक्यो, 26 मार्च (वार्ता)। जापान में प्रमुख दवा कंपनी कोबायाशी फार्मास्युटिकल्स की कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने वाली रेड यीस्ट राइस गोलियां खाने से एक व्यक्ति की मौत और कई लोगों के बीमार होने के बाद अस्पताल में भर्ती होने की रिपोर्ट है।

कंपनी ने मंगलवार को बताया कि, यह दवा लेने के बाद करीब 76 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन दवाओं को कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिये लिया जाता है। यह मामला सामने आने के बाद कंपनी ने पिछले सप्ताह अपने पांच उत्पाद बाजार से वापस ले लिये। कोबायाशी फार्मास्युटिकल ने ग्राहकों से रेड यीस्ट राइस गोलियों का उपयोग बंद करने का आग्रह किया है और मामले में जांच शुरू कर दी है। कंपनी ने आशंका जतायी कि, यह समस्या उत्पादन में उपयोग की जाने वाली फंफूद में उपस्थित विषाक्त पदार्थों के कारण हुई है। कंपनी ने एक बयान जारी कर अपने रेड यीस्ट कोलेस्ट्रॉल हेल्प उत्पाद और मरीज की मौत के बीच 'संबंध' की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि, उन्हें एक शोक संतप्त परिवार से संदेश मिला, जिसमें कहा गया है कि, उनके परिवार के सदस्य की किडनी खराब हो जाने के कारण मौत हो गयी है।

बाड़मेर-जैसलमेर सीट से विधायक रवीन्द्र सिंह भाटी भी मैदान में

शिव सीट के निर्दलीय विधायक भाटी ने चुनाव लड़ने का ऐलान कर मुकाबले को तिकोना बना दिया है

- कांग्रेस ने यहां से उम्मेदाराम बेनीवाल और भाजपा ने केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी को टिकट दिया है।
- भाटी ने आलोक आश्रम में हुई सर्व समाज की बैठक में निर्दलीय लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया।

बालोतरा, 26 मार्च। बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर अब मुकाबला त्रिकोणीय बन गया है। निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने आज (मंगलवार) को सर्व समाज के लोगों के साथ मीटिंग की। आलोक आश्रम में हुई मीटिंग में उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया। भाटी ने 4 अप्रैल को नामांकन दाखिल करने की घोषणा की। इसके लिए भाटी संसदीय सीट की सिवाना विधानसभा से 27 मार्च, बुधवार से जन आशीर्वाद यात्रा निकालेंगे।

ज्ञातव्य है कि, इस सीट से कांग्रेस ने उम्मेदाराम बेनीवाल को टिकट दिया है और भाजपा ने केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी को मैदान में उतारा है। दरअसल, शिव से निर्दलीय विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने 11 मार्च से जैसलमेर से 5 दिन की ईश आराधना यात्रा निकाल कर लोकसभा चुनाव लड़ने के संकेत दिए थे। इस दौरान उमड़े जन सैलाब को देखते हुए भाटी को मनाने के लिए प्रदेश स्तर के नेता जुट गए। 18 मार्च को रविंद्र सिंह भाटी, केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी ने स्थानीय विधायकों के साथ मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग की थी। करीब 1 घंटे तक मीटिंग चली, लेकिन सहमति बन नहीं पाई। इसके दूसरे दिन जोधपुर आए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और रविंद्र सिंह भाटी के बीच मुलाकात हुई। मु.मंत्री भाटी को अपने प्लेन में बैठाकर जोधपुर से उदयपुर लेकर गए। लेकिन सरकार व निर्दलीय विधायक के बीच सुलह की तस्वीर साफ नहीं हो पाई। निर्दलीय विधायक ने मंगलवार को फिर सोशल मीडिया पर सर्वसमाज की मीटिंग की नई पोस्ट शेयर की है। सर्व समाज की मीटिंग के बाद भाटी ने लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी।

'केजरीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भरोसा जताया जो दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रोम निवास गोयल ने दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि आप पार्टी के विधायकों ने फैसला किया है कि केजरीवाल ही मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे और सरकार जेल से चलाई जाएगी। कानून में कहीं कोई ऐसा प्रावधान नहीं है जो गिरफ्तार मुख्यमंत्री को उसके पद पर बने रहने से रोकता हो, परंतु जेल से सरकार चलाने के व्यावहारिक रुप से मुश्किल कार्य है क्योंकि सभी फाइलों व फैसलों पर मंजूरी जेल से लेनी पड़ेगी।

मुख्यमंत्री भजन लाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- होली कार्यक्रम में ब्रज तथा अन्य क्षेत्रों के कलाकारों ने संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया, सभी लोगों का मुंह भी मीठा करवाया गया।

भजन'' को चरितार्थ करते हुये, आम लोगों के साथ बिना किसी औपचारिकता के घुल-मिल कर होली खेली। मुख्यमंत्री ने अपनी सादगी से सभी का दिल जीत लिया।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित जनता संग होली कार्यक्रम में राजस्थान की संस्कृति, लोकरंग, भाईचारे और सौहार्द्र की झलक नज़र आयी। जनता ने मुख्यमंत्री के साथ पुष्प और गुलाल की होली खेली। मुख्यमंत्री सभी के साथ बहुत स्नेह और अपनेपन से मिले सभी उपस्थित जनों का मुंह मीठा करवाया गया सभी ने दिल खोलकर होली खेली। इस अवसर पर भाजपा के विधायक व प्रमुख नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आवास पर ब्रज की लोक संस्कृति भी साकार हो उठी, जब बृज से आये कलाकारों ने होली गीतों पर अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। भगवान कृष्ण और राधा जी की बृज होली और लट्ठमार होली के भी रंग दिखे। इसके अलावा भजनों का कार्यक्रम भी हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और आम जन ने भजनों का भरपूर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा के साथ उनकी पत्नी गीता शर्मा भी मौजूद थीं। कार्यक्रम में प्रदेश की सांस्कृतिक परम्पराओं और लोकसंस्कृति के कई रंग नज़र आए। कार्यक्रम के बाद आमजन ने मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री शर्मा के सहज-सरल अंदाज़ की अत्यंत प्रशंसा की। लोगों का कहना था कि भजनलाल ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिनका आमजन से सीधा संवाद है।

लोगों ने मुख्यमंत्री को ''जन-जन के भजन'' की उपाधि दी और अभिनंदन किया। लोगों ने इस बात की भी सराहना की कि मुख्यमंत्री आवास तक अब जनता की पहुंच हो गयी है। प्रदेश में बरसों बाद ऐसा दृश्य दिखा जिसमें किसी मुख्यमंत्री ने आमजन को खुलकर गले लगाया और उनके साथ होली खेली।

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

- 20 वर्षीय छात्र उरूज उत्तर प्रदेश में कन्नौज का रहने वाला था और कोटा में मैडिकल एन्ट्रेंस की तैयारी कर रहा था।

कोटा, 26 मार्च (निसं)। कोटा के विज्ञान नगर थाना इलाके में मंगलवार को एक और कोचिंग छात्र ने मंगलवार को आत्महत्या कर ली। छात्र मैडिकल एन्ट्रेंस एग्ज़ाम के सिलसिले में एक निजी कोचिंग संस्थान में पढ़ाई कर रहा था। छात्र मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कन्नौज निवासी था।

वह बीते एक साल से कोटा में रहकर पढ़ाई कर रहा था। छात्र की उम्र करीब 20 साल बताई जा रही है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। कोटा में इस साल यह छठा सुसाइड का मामला है। विज्ञाननगर थाने के हैड कांस्टेबल ज्ञान सिंह का कहना है कि, रोड नंबर एक स्थित मल्टी स्टोरी में छात्र रहता था, छात्र का नाम उरूज पुत्र साबिर है। उसके फोन नहीं उठाने पर परिजनों ने मंगलवार को उसके कन्नौज के निवासी दोस्तों को फोन किया था। वे सुबह उसके कमरे पर पहुंचे लेकिन, उसने दरवाजा नहीं खोला। इसकी सूचना मल्टी स्टोरी के गार्ड को दी गई तब पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद उसके शव को एमबीएस अस्पताल के मोर्चरी में शिफ्ट करवाया गया। साथ ही परिजनों को भी इस संबंध में सूचना दे दी गई है।

शशि थरूर ने पैसा लेकर ट्वीट किया, एफ.आई.आर. दर्ज कराऊंगा-सुनील शर्मा

- टिकट कटने के बाद सुनील शर्मा ने कहा कि, राज्य के ब्राह्मणों में घोर निराशा है। सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि, सुनील शर्मा की ब्रह्म हत्या हो गयी।
- ''जयपुर डायलाग्स से बिजनैस क्लास सुविधायें मांगने वाले शशि थरूर को नैतिकता के आधार पर चुनाव से हट जाना चाहिये।''

जयपुर, 26 मार्च (का.प्र.)। जयपुर से कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी सुनील शर्मा को बदलकर प्रताप सिंह खाचरियावास को टिकट दिया है। इस बात से नाराज़ सुनील शर्मा ने आरोप लगाया है कि, केरल कांग्रेस के नेता शशि थरुर के जयपुर डायलॉग्स के साथ संबंध हैं। सुनील शर्मा ने नैतिकता के आधार पर शशि थरुर को चुनाव मैदान से हटने की चुनौती दी है।

शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि, कांग्रेस के कुछ धार्मिक अतिवादियों, अति वामपंथी नेताओं, कुछ तथाकथित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कथित पत्रकारों ने एक लॉबी से पैसा लेकर मेरे ख़िलाफ़ झूठे और बेबुनियाद ट्वीट कर दुष्प्रचार किया है। उन्होंने कहा कि, जल्द ही वो अपने लीगल एडवाइज़र की सहायता से ऐसे लोगों पर एफ़आईआर दर्ज करवाने जा रहे हैं।

सुनील शर्मा ने मंगलवार को अपना टिकट कटने के बारे में मीडिया से कहा कि, मुझे टिकट सर्व सम्मति से दिया गया था। कांग्रेस के बड़े नेताओं के आग्रह पर ही मैंने चुनाव लड़ने पर स्वीकृति दी थी। लेकिन इसके पश्चात् ही, कांग्रेस में एक लॉबी, जिसकी खुद की प्रतिबद्धता सवालों के घेरे में रही है, वो सक्रिय हो गई और उन्होंने अनावश्यक एवं अनर्गल आरोप लगाए जिनका कोई वास्तविक आधार ही नहीं था।

उन्होंने कहा, 1938 से कांग्रेस के लिए संघर्ष करने वाले परिवार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए गए। यहाँ तक कि, केरल से लोकसभा के एक कांग्रेस प्रत्याशी शशि थरूर, जिन्होंने आरोप लगाए, स्वयं ही जयपुर डायलॉग से बिज़नैस क्लास सुविधाओ की मांग कर रहे थे और कार्यक्रमों में आने की अनुमति दे रहे थे। इसकी पूरी जानकारी अब मीडिया और ट्विटर पर उपलब्ध है, जिसका थरूर ने कोई जवाब नहीं दिया। जहां तक मेरा सवाल है, मेरा जयपुर डायलॉग से कोई भी लेना देना नहीं है, जैसा कि, मैंने कई बार दस्तावेज के साथ सार्वजनिक मंचों पर अपनी स्थिति को साफ़ किया है।

सुनील शर्मा ने कहा कि ये जो ''पेड ट्वीट'' हैं, उन पर भी एफ.आई.आर. दर्ज करवाकर मैं सबको एफ.आई.आर. की कॉपी दूंगा। इस कॉपी में उन सबके नाम होंगे, जो कांग्रेस को कमजोर कर रहे है। राजस्थान में कांग्रेस के सिद्धांत शुरु होते हैं जय नारायण व्यास से, टीकाराम पालीवाल से, हीरालाल शास्त्री से, रामकिशोर व्यास से, दामोदरदास से, नवल किशोर शर्मा से, नरोत्तम जोशी से, निरंजन लाल आचार्य से। ऐसे अनगनित लोग हैं, अब प्रश्न एक है, पार्टी के लिए सबसे ज्यादा काम जिस वर्ग ने किया हो, जिसने कांग्रेस से कभी कुछ मांगा नहीं, उस वर्ग के व्यक्ति के साथ ऐसा हो तो थोड़ी निराशा तो होगी। आज राज्य के ब्राह्मणों में निराशा है, घोर निराशा है।

मेरे पास लगातार कॉल आ रहे हैं, सोशल मीडिया पर पोस्ट आ रही हैं। व्हाट्सएप मैसेज आ रहे हैं, काफी तादाद में, जिसमें कहीं तो ब्रह्म हत्या करने की बात लिखी जा रही है, कि सुनील शर्मा की ब्रह्म हत्या हो गई।

भाजपा ने 17 राज्यों की 111 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किये

नई दिल्ली, 24 मार्च (वार्ता)। भाजपा ने लोकसभा चुनाव की पांचवीं सूची में 17 राज्यों की 111 सीटों पर अपने उम्मीदवार आज घोषित कर दिए।

पार्टी की विज्ञप्ति में बताया कि, पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन नामों को स्वीकृति दी है। पांचवीं सूची में 111 उम्मीदवारों में से 20 महिलाएं शामिल हैं।

पांचवीं सूची में पश्चिम बंगाल की 19 सीटों, ओडिशा की 18 सीटों, बिहार में भाजपा की सभी 17 सीटों, उत्तर प्रदेश की 13 सीटों, राजस्थान की 07 सीटों, आंध्र प्रदेश एवं गुजरात की 06-06 सीटों, हरियाणा, कर्नाटक एवं केरल की 04 - 04 सीटों, हिमाचल प्रदेश एवं तेलंगाना की 02-02 सीटों, झारखंड एवं महाराष्ट्र की 03-03 सीटों, गोवा, सिक्किम एवं मिजोरम की एक - एक सीट के उम्मीदवार शामिल हैं। भाजपा ने आंध्र प्रदेश में अराकू (सु.) सीट से वाईएसआर कांग्रेस से आने वाली कोथापल्ली गीता को टिकट दिया है।

कांग्रेस व सपा ने वरूण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में वरूण गांधी को रायबरेली अथवा अमेठी की सीट से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया जा सकता है, वर्ष 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी से हारने से पहले राहुल ही अमेठी के सांसद थे। और अपने चचेरे भाई को ईरानी के खिलाफ चुनाव लड़ने का न्यौता दे सकते हैं।

अमेठी व रायबरेली सीटों पर नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 3 मई है इसके बाद लखनऊ की सीट है जिससे चुनाव लड़ने का विकल्प वरूण चुन सकते हैं।

इन सब बातों का निर्णय सोनिया गांधी पर निर्भर करता है कि वे वरूण गांधी को कांग्रेस पार्टी में जगह देने को सहमत हों, वो मेनका गांधी को भी कांग्रेस के खेमे में शामिल करने की सहमति दे सकती हैं ताकि वो सुल्तानपुर चुनाव लड़ सके, मेनका इस सीट पर पिछली बार भाजपा के टिकट पर चुनाव जीती थी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस बात का संकेत दिया है कि उनकी पार्टी वरूण गांधी को उत्तर प्रदेश में उनकी पसंद की सीट से टिकट दे सकती है क्योंकि किसानों के समर्थन में उनकी आवाज व भाजपा की नीतियों के खिलाफ बोलने से यह पता चलता है कि वे किसी भी सीट से चुनाव बगैर कठिनाई के जीत सकते हैं। हालांकि, अभी तक वरूण ने अपने फैसले का खुलासा किसी से नहीं किया है।

अब भले ही वे पीलीभीत से पुन: चुनाव लड़ना चाहते हों, जहां से वे पिछली बार निर्वाचित हुए थे और अब उनके पास मुश्किल से कुछ समय बचा है क्योंकि इस सीट पर नामांकन पत्र दाखिल करने का समय बुधवार शाम को समाप्त हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने नामांकन पत्र के चार सैट खरीदे हैं यदि वे पुन: पीलीभीत सीट से चुनाव लड़े तो हैरत नहीं होगी।

पंजाब में अकेले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोजित की गई थी जिसमें पार्टी की चुनाव रणनीति को लेकर चर्चा की गई थी जिसमें संभवतया भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन नहीं करने का फैसला लिया गया था।

इस माह के पूर्वार्द्ध में सुखबीर सिंह वड़ाला ने बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) के साथ गठबंधन जारी रखने की बात कही थी और उन्होंने भाजपा के साथ गठब्धन करने की मीडिया के कयासों को खारिज़ कर दिया था।

सुखदेव सिंह ढींढसा के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) ने सिख समुदाय की एकता को मजबूती प्रदान करने के लिए अपने दल का विलय शिरोमणि अकाली दल में कर दिया था। ढींढसा ने कहा कि बादल के द्वारा बेअदबी के 2015 के मामलों में माफी मांग कर पश्चाताप व्यक्त करने की बात ने उन्हें प्रभावित कर लिया।

तो क्या यह सही है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- अंदरूनी सूत्रों के अनुसार शशि थरूर व कुछ लोगों ने सुनील शर्मा के खिलाफ अभियान चलाकर उनका टिकट कटवाया है, इसके पीछे भी पैसे का खेल बताया जा रहा है।
- कहा जा रहा है कि, कांग्रेस के कुछ नेता भाजपा से मिले हुए हैं, सवाल है कि, क्या पार्टी आकाकमान इस खेल को जानता है।

के स्टाफ के लोग, जैसे पी.ए, सुरक्षा वाले तथा अन्य अधिकारी निर्णय ले रहे हैं और अब ऐसा लगता है कि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ऑफिस में भी यही हो रहा है।

एक अन्य उदाहरण है, राजसमंद से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी सुदर्शन रावत का, जिन्हें अधिकारिक रुप से प्रत्याशी घोषित कर दिया गया है, लेकिन, वो विदेश में बैठे हैं। कथित रुप से वो चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं।

पता चला है कि, वो सी.पी. जोशी के कैन्डिडेट हैं और सचिन पायलट के कैन्डिडेट को ब्लॉक करने के लिए जोशी ने रावत के लिए दबाव बनाया।

जयपुर से कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी सुनील शर्मा को बदलकर प्रतापसिंह खाचरियावास को टिकट दिया है क्योंकि शशि थरुर व साथियों ने एक अभियान चलाया था कि, सुनील शर्मा का रुझान दक्षिणपंथी है और वो बहुत बार कांग्रेस विरोधी वक्तव्य दे चुके हैं।

अब परिणाम यह है कि, 25 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस का एक भी प्रत्याशी ब्राह्मण नहीं है।

या फिर क्या कुछ कांग्रेस नेताओं की भाजपा के साथ मिलीभगत है और प्रत्याशियों का चयन भाजपा के पक्ष में किया जा रहा है?

और क्या ए.आई.सी.सी. महासचिव रंधावा को पार्टी की इन गतिविधियों के लिए जिम्मेवार नहीं माना जाना चाहिए?

और राहुल गाँधी सी.ई.सी. की बैठकों में शामिल क्यों नहीं होते हैं?

या फिर राहुल बिना जिम्मेवारी के पावर चाहते हैं, क्योंकि, वो लगातार के.सी. वेणुगोपाल को अपने अधिकार सौंप रहे हैं।

हमें उम्मीद है...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का इस केस में भी अनुसरण किया जाएगा।''

इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि ''ऐसे बयानों को हम हमारी न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के रूप में देखते हैं तथा यह पूर्वाग्रह से ग्रसित एवं बेहद ही अनुचित धारणा है।''

विशेषज्ञ इस बात की ओर ध्यान दिलाते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय की टिप्पणी पर अभी तक अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दिल्ली के एक कोर्ट द्वारा हिरासत से छूट प्रदान ना करने के कारण एन्फोर्समैन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने केजरीवाल के आवास पर गत सप्ताह देर रात डाली गई एक रेड में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

बाद में, उन्हें सात दिन, यानी कि गुरुवार तक के लिए ई.डी. की हिरासत में भेज दिया गया।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में एक माह से भी कम समय बचा है और केजरीवाल को कथित शराब घोटाले के संबंध में गिरफ्तार किया गया है, जिससे उनकी आम आदमी पार्टी और पूरे देश की राजनीति में भूचाल आ गया है।

केन्द्रीय जाँच एजेंसी के इस कदम की भर्त्सना करने में आम आदमी पार्टी इण्डिया गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस, ममता बनर्जी की तृणमूल और तमिलनाडू में सत्तारूढ़ द्रमुक के साथ मिल गई है, जिससे दिल्ली में भारी विरोध प्रदर्शन शुरु हो गए हैं।

दिल्ली में मंगलवार को जब ''आप'' के कई कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री आवास तक मार्च करने के प्रयास किया तब पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इस बीच, भाजपा ने जिस पर विपक्षी दलों ने केन्द्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है, ने केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर एक विशाल जुलूस निकाला।

अपने विरोधियों के खिलाफ ई.डी. जैसी केन्द्रीय जाँच एजेंसियों का इस्तेमाल करने के आरोपों से घिरी भाजपा ने केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की है और कहा है कि आप के नेता केजरीवाल जेल से ही सरकार चला रहे हैं।

तीन दक्षिणी राज्यों, केरल, कर्नाटक व तमिलनाडू ने केन्द्र सरकार को कोर्ट में घसीटा

इन तीनों राज्यों का आरोप है कि, केन्द्र सरकार उनके हक का पैसा नहीं दे रही है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- दक्षिण की कुल 130 लोकसभा सीटों में से 87 सीटें इन्हीं राज्यों से आती हैं, इसलिए विशेषज्ञों का कहना है कि, लोकसभा चुनावों से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट में दर्ज मुकदमा भाजपा को भारी नुकसान पहुंचा सकता है।
- रोचक बात यह है कि, इन राज्यों का मीडिया इस मुद्दे पर अपनी सरकारों के साथ है और इस मामले को जिस तरह से जनता के सामने प्रस्तुत करेगा उसका जनता पर भारी प्रभाव पड़ सकता है।
- तमिलनाडू के मुख्यमंत्री ने तो नारा दिया है ''भाजपा का वोट देने का मतलब है तमिलनाडू के विकास के खिलाफ वोट देना।''

नई दिल्ली, 26 मार्च। दक्षिण भारत के पाँच राज्यों में लोकसभा की कुल 130 सीटें हैं और इसमें से भी 87 सीटें तीन राज्यों केरल, कर्नाटक और तमिलनाडू में हैं। अब ये तीनों ही राज्य केन्द्र से मिलने वाली सहायता और अपने हक के पैसे को लेकर केन्द्र सरकार से कानूनी लड़ाई लड़ने को बाध्य हैं।

लोकसभा चुनावों से पूर्व भाजपा के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं है क्योंकि उसे राज्यों के वित्तीय मसलों का बिगाड़ खाता करने वाले के रूप में देखा जाएगा। ऐसी स्थिति में ''गोदी मीडिया'' केन्द्र सरकार का सफलतापूर्वक पक्ष साबित कर देता है, लेकिन दक्षिण के राज्यों में ऐसी स्थिति नहीं है।

उत्तर भारत में विपक्षी पार्टियाँ इस मामले में कमजोर हैं। वहाँ का कथित गोदी मीडिया विपक्ष के स्वरों का प्रबल रूप से दमन कर देता है, लेकिन दक्षिण भारत की क्षेत्रीय पार्टियों के साथ अपनी-अपनी समर्थित मीडिया यूनिट्स हैं और कुछ मामलों में तो उनके स्वयं के मीडिया हाउसेज़ हैं। इस वजह से वे अपनी आवाज का मुखर कर मीडिया के जरिए अपना पक्ष साबित कर सकती हैं।

आगामी 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान से होने जा रहा तमिलनाडू भी केन्द्र सरकार के नैशनल डिज़ास्टर रिलीफ फण्ड से खाद्यान्न राहत ना मिलने के कारण सुप्रीम कोर्ट की शरण ले रहा है।

शायद यह सबक उसने कर्नाटक सरकार से लिया है। तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने यह घोषणा भी की है कि केन्द्र का राहत फण्ड सुनिश्चित करने को लेकर उनकी सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी। स्टालिन ने एक राजनीतिक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ''भाजपा को वोट देना तमिलनाडू के विकास के खिलाफ वोट देने के समान है।''

धन की कमी से जूझ रही राज्य सरकार ने आपदा के समय अपने मंत्रियों को राहत गतिविधियों में लगा दिया था। हमने 2500 से अधिक विशेष कैम्प लगाकर किसानों को राहत फण्ड्स दिए, लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित किया कि कहीं जनसंक्रमण ना फैल जाए। स्टालिन ने कहा कि पिछले वर्ष के दिसम्बर माह में मैंने तिरूनेल्वेली और थूथुकुडी का दौरा कर जनकल्याणकारी सामग्री वितरित की और फरवरी 2024 में थूथुकुडी के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 118.89 करोड़ रूपए दिए।

उन्होंने कहा कि ''हमने केन्द्र सरकार से रिलीफ फण्ड के 37 हजार करोड़ रूपए मांगे थे, लेकिन केन्द्र सरकार ने कुछ नहीं दिया। राज्यपाल आर.एन. रवि द्वारा विलय अनुमोदित करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रूख किया। केन्द्र सरकार से बाढ़ राहत फण्ड की मांग को हम लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

द्रमुक अध्यक्ष ने राज्य से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले तमिलों से भिखारी बताने वाली वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण की भी भर्त्सना करते हुए कहा कि जनता के धन से ही सार्वजनिक कल्याण की योजनाएं लागू की जाती है। जनता को जब जरूरत हो तब सरकार को उनकी जरूर मदद करनी चाहिए। स्टालिन ने कहा कि भाजपा की एक मंत्री शोभा करांडलाजे ने तमिलों को आतंकवादी कहा था। ये लोग नफरत के बीज बो रहे हैं।

पिछले सप्ताह ही कर्नाटक सरकार, केन्द्रीय सरकार पर ''नैशनल डिज़ास्टर टैसपाँस फण्ड (एन.डी.आर.एफ.) से राज्य को सूखा राहत राशि के भुगतान में देरी करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुकी है। राज्य सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि, ''डिज़ास्टर मैनेजमैंट एक्ट 2005'' के तहत राज्य केन्द्र से राशि प्राप्त करने का हकदार है। इसके पहले राज्य ने केन्द्र को तीन ज्ञापन दिए थे और एक अंतर-मंत्रालयी केन्द्रीय टीम (आई.एम.सी.टी.) ने राज्य के सभी तालुकों का सर्वे करने के बाद 20 अक्टूबर 2023 को केन्द्र में एक रिपोर्ट जमा करा दी थी। राज्य के मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया ने कहा कि कानून के अनुसार सहायता राशि एक महीने के अंदर दे देनी चाहिए थी। कर्नाटक सरकार ने औपचारिक माध्यमों से भी केन्द्र सरकार से राशि के लिए गुहार लगायी, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, ''हमारे मंत्री, केन्द्रीय वित्त एवं कृषि मंत्रियों से मिले। मैंने स्वयं गृह मंत्रालय सहित कई मंत्रालयों को पत्र लिखे थे। मैं और राजस्व मंत्री, कृष्ण बायरे गौडा, प्रधानमंत्री से 19 दिसम्बर को मिले थे और एन.डी.आर.एफ. की बैठक बुलाकर राशि का भुगतान करवाने की प्रार्थना की थी और 20 दिसम्बर को हम गृह मंत्री, अमित शाह से भी मिले थे। उन्होंने कहा कि 23 दिसम्बर को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलायी गयी थी। प्रधानमंत्री बाद में जब बैंगलुरू आए थे तब मैंने उन्हें याद दिलाया था। लेकिन रिर्पोटों के जमा होने के बाद से अब तक कुछ भी नहीं हुआ है। किसी भी राशि का भुगतान नहीं हुआ है। पिछले कुछ महीनों में कर्नाटक ने 240 तालुकों में से 223 तालुकों को सूखा ग्रस्त घोषित कर दिया है, जिनमें से 196 को गंभीर रूप से प्रभावित श्रेणी में रखा गया है। केरल और तमिलनाडू, जहाँ केन्द्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए हैं वही केरल सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा चार विधेयकों को बिना किसी कारण के स्वीकृति ना देने के विरोध में उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल की है। याचिका में राष्ट्रपति को विधेयकों को स्वीकृति देने के निर्देश देने की मांग करते हुए केरल सरकार ने कहा कि, राष्ट्रपति के विधेयकों को अनुमति देने में देरी करने से भारतीय संविधान का संघीय ढांचा भंग और नष्ट होता है। केरल विधानसभा ने सात विधेयक पारित किए हैं जिनमें, राज्य के विश्वविद्यालयों के नियमों में संशोधन (वर्ष 2021 एवं वर्ष 2022) केरल लोकायुक्त संशोधन विधेयक और 2022 का केरल सहकारी समितियों का संशोधन बिल शामिल हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908